राम वन गमन पथ पुनरवलोकन पुस्तक का विमोचन

चर्चा में क्यों?

1 फरवरी, 2022 को मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने 'राम वन गमन पथ पुनरवलोकन' पुस्तक का अपने निवास कार्यालय में विमोचन किया।

प्रमुख बिंदु

- इस अवसर पर इस पुस्तक के लेखक डॉ. रामगोपाल सोनी तथा प्रकाशक उज्जैन के पुष्कर बाहेती उपस्थिति थे। डॉ. सोनी भारतीय वन सेवा के सेवानिवृत्त अधिकारी हैं। वे अपर प्रधान मुख्य वन संरक्षक पद से सेवानिवृत्त हुए हैं।
- पुस्तक के लेखक डॉ. रामगोपाल सोनी ने बताया कि इस पुस्तक से जहाँ एक ओर राम वन गमन के वास्तविक पथ का मार्ग प्रशस्त होगा वही प्रमुख संतों के आश्रम और उनके महत्त्व को लोग जान सकेंगे।
- कालांतर में इन क्षेत्रों में धार्मिक पर्यटन को प्रोत्साहित करने में भी यह पुस्तक सहायक होगी।
- यह पुस्तक 11 अध्यायों में विभाजित है जिसमें 316 पृष्ठ हैं। इस पुस्तक में विभिन्न आश्रमों का भी वर्णन किया गया है।
- इस पुस्तक में विश्वामित्र के साथ राम-लक्ष्मण के वन गमन, अयोध्या से चित्रकूट, चित्रकूट से अमरकंटक, अमरकंटक से दंडकारण्य, पंचवटी से किष्किंधा, प्रवर्षण पर्वत से लंका की ओर प्रस्थान, सेतु बंध तथा लंका से पुष्पक विमान से अयोध्या आगमन का विस्तृत उल्लेख है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/ram-van-gaman-path-review-book-released